

## Introdução

Sl 94.1-2; Lc 22.34; At 7.60; Dt 32.35; Gn 50.19-21; Ap 5.9-10

---

---

---

---

---

---

---

---

## Por que pedir vingança

O que faziam os perversos? - Sl 94.4-6,21,16,20

---

---

---

---

---

---

---

---

## Identificação dos personagens

Povo - Sl 94.5,7,14

---

---

---

---

---

---

---

---

Qual era a atitude - Sl 94.3-4,7

---

---

---

---

---

---

---

---

Opressores - Sl 94.2-3,8

---

---

---

---

---

---

---

---

Deus - Sl 94.1,2,7; Sl 139.19

---

---

---

---

---

---

---

---

Senhor, Justo Juiz, intervenha. O Senhor conhece a injustiça que reina no Brasil, a perseguição e martírio atual de irmãos no Congo, Síria e Argélia. Embora saibamos que estes não serão honrados nesta vida, clamamos por tuas bênçãos sobre o que estão sofrendo. Faz justiça e derrama a tua graça.

